भारतीय तटरक्षक जहाज़ समुद्र प्रहरी की आसियान देशों में तैनाती

प्रलिमि्स के लयि:

भारतीय तटरक्षक बल, समुद्र प्रहरी, प्रदूषण नयिंत्रण पोत, आसयिान, चेतक हेलीकॉप्टर, पुनीत सागर अभयिान, संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभसिमय, 1982, लंदन अभसिमय, भारत-नॉर्वे द्वारा समुद्री प्रदूषण से नपिटने हेतु पहल

मेन्स के लयि:

समुद्र प्रहरी की मुख्य वशिषताएँ, समुद्री प्रदूषण से संबंधति अंतर्राष्ट्रीय पहल

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

भारतीय तटरक्षक जहाज़ समुद्र प्रहरी, एक वशिष्टि **प्रदूषण नयिंत्रण पोत**, वर्तमान में 11 सतिंबर से 14 अक्तूबर 2023 तक आसयिान **देशों** में तैनात रहेगा।

- इस पहल की घोषणा रक्षा मंत्री ने **नवंबर 2022 में कंबोडयिा में आयोजति आसयिान रक्षा मंत्री मीटगि प्लस बैठक** के दौरान की थी।
- तैनाती के दौरान **इस जहाज़ को बैंकॉक (थाईलैंड), हो ची मन्हि (वयितनाम) और जकार्ता (इंडोनेशयिा)** में बंदरगाह पर रुकने की सुवधिा प्रदान की गई है।

समुद्र प्रहरी की मुख्य वशिषताएँ:

- **परचिय**:
  - भारतीय तटरक्षक जहाज़ **समुद्र प्रहरी** अत्याधुनकि **प्रदूषण प्रतक्रियिा तकनीक** से लैस है। **इसे 9 अक्तूबर 2010 को मुंबई में कमीशन कयिा गया था।**
- **प्रमुख वशिषताएँ:**
  - जहाज़ **उन्नत प्रदूषण नयिंत्रण गयिर** से लैस है, जसिमें **तेल रसिाव को रोकने के लयि हाई-स्प्रटि बूम** और **रविर बूम** जैसे रोकथाम उपकरण, साथ ही **स्कमिर एवं साइड स्वीपगि आर्म्स** जैसे तेल पुनर्प्राप्त उपकरण तथा भारतीय वशिष आर्थकि क्षेत्र के भीतर भंडारण सुवधिाएँ शामलि हैं।
    - जहाज़ **प्रदूषण प्रतक्रियिा कॉन्फगिरेशन में चेतक हेलीकॉप्टर** से भी लैस है।
  - इसमें **मानव रहति मशीनरी संचालन** की क्षमता भी मौजूद है।

नोट: तेल रसिाव मानव गतविधि के कारण पर्यावरण, वशिष रूप से समुद्री क्षेत्रों में **तरल पेट्रोलयिम हाइड्रोकार्बन का उत्सर्जन** है। यह शब्द आमतौर पर समुद्री तेल रसिाव के लयि प्रयोग कयिा जाता है, जहाँ तेल समुद्र या तटीय जल में मुक्त कर दयिा जाता है, लेकनि रसिाव भूमि पर भी हो सकता है।

- **गतविधियिाँ:**
  - एक वदिशी वनिमिय कार्यक्रम के हस्सि के रूप में, **जहाज़ ने 13 राष्ट्रीय कैडेट कोर कैडेटों को "पुनीत सागर अभयिान" में भाग लेने के लयि भेजा** है, जो एक अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच कार्यक्रम है और साझेदार देशों के साथ समन्वय में समुद्र तट की सफाई एवं इसी प्रकार की गतविधियिों पर केंद्रति है।

//

समुद्री प्रदूषण से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय पहल:

- संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसमय (United Nations Convention on the Law of the Sea - UNCLOS), 1982 हस्ताक्षरकर्त्ता राज्यों को **डंपिंग द्वारा समुद्री पर्यावरण के प्रदूषण को रोकने, कम करने और नियंत्रित करने** हेतु एक कानूनी ढाँचा विकसित करने का आह्वान करता है।
  - **भारत** UNCLOS का एक हस्ताक्षरकर्ता है।
- जहाज़ों से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिये अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय (International Convention for the Prevention of Pollution from Ships- MARPOL) परिचालन संबंधी या आकस्मिक कारणों से जहाज़ों द्वारा **समुद्री पर्यावरण के प्रदूषण को रोकने का आह्वान करता है।**
  - **भारत** MARPOL का हस्ताक्षरकर्ता है।
- **लंदन अभिसमय और लंदन प्रोटोकॉल** का उद्देश्य समुद्री पर्यावरण को समुद्र में **अपशिष्ट तथा अन्य पदार्थों के डंपिंग** से होने वाले प्रदूषण से बचाना है।
  - लंदन अभिसमय **वर्ष 1972 में अपनाया गया** और वर्ष 1975 में लागू हुआ। **लंदन प्रोटोकॉल वर्ष 1996 में अपनाया गया** और वर्ष 2006 में लागू हुआ।
  - **भारत इनमें से किसी में भी भागीदार नहीं है।**
- भारत-नॉर्वे द्वारा समुद्री प्रदूषण से निपटने हेतु पहल: **भारत और नॉर्वे अपने अनुभव और क्षमता को साझा करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ महासागरीय विकास, समुद्री संसाधनों के सतत् उपयोग एवं ब्लू इकोनॉमी के विकास के प्रयासों के लिये प्रतिबद्ध हैं।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष प्रश्न

??????????:

प्र. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (2018)

1- ऑस्ट्रेलिया
2- कनाडा
3- चीन

4- भारत
5- जापान
6- यू.एस.ए.

उपर्युक्त में से कौन-से देश “आसियान के-मुक्त-व्यापार भागीदारों” में से हैं?

(a) 1, 2, 4 और 5
(b) 3, 4, 5 और 6
(c) 1, 3, 4 और 5
(d) 2, 3, 4 और 6

उत्तर: c

प्रश्न 2. 'क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी' शब्द अक्सर देशों के एक समूह के मामलों के संदर्भ में समाचारों में दिखाई देने वाली वार्ता है जिसे निम्नलिखित में से किसके रूप में जाना जाता है (2016)

(a) G-20
(b) आसियान
(c) शंघाई सहयोग संगठन
(d) सार्क

उत्तर: (B)

????:

प्रश्न:शीतयुद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय परदृश्य के संदर्भ में, भारत की पूर्वोन्मुखी नीति के आर्थिक और सामरिक आयामों का मूल्यांकन कीजिये।(2016)

प्रश्न. तेल प्रदूषण क्या है? समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभाव क्या हैं? भारत जैसे देश के लिये किस तरह से तेल प्रदूषण विशेष रूप से हानिकारक है?(2023)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/samudra-prahari-s-deployment-to-asean